खबर संक्षेप

नशीले इंजेक्शन के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। कोतवाली पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए 03 आरोपी कृश प्रताप सिंह उर्फ जय पिता कुंवर प्रताप सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम अमरहा, पृथ्वी पटेल पिता सुशील पटेल उम्र 19 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती, बालकेश सिंह गोंड पिता सोनू सिंह गोंड उम्र 19 वर्ष निवासी लखवरिया हाल निवासी पुरानी बस्ती के पास से 519 नशीले इंजेक्शन एवं 03 मोबाइल ज़ब्त कर इन्हें गिरफ्तार करते हुए एनडीपीएस एक्ट एवं मध्यप्रदेश ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। उक्त घटनाक्रम में शामिल दो अन्य आरोपी अमल श्रीवास्तव उर्फ सौरभ पिता अमरदीप श्रीवास्तव उम्र 26 वर्ष निवासी सौखी मोहल्ला एवं किशन उपाध्याय पिता मनोज शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी सौखी मोहल्ला को कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर तलाशी लेने पर उक्त के पास से 20 इंजेक्शन एवं किशन उपाध्याय के पास से 15 इंजेक्शन बरामद किए गए। दोनों अरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राकेश सिंह बागरी, सहायक उप निरीक्षक रजनीश तिवारी, रामराज पाण्डेय, प्रधान आरक्षक महेंद्र पाल शुक्ला, दिनेश प्रसाद केवट, हीरा सिंह, मायाराम की भूमिका रही है।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने पदभार ग्रहण किया

उमरिया। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में नवागत पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य द्वारा 20 मार्च को पदभार ग्रहण किया गया, तत्पश्चात संस्था का भ्रमण कर 21 मार्च को उपस्थित समस्त अधिकारी कर्मचारियों का सैनिक सम्मेलन लिया। इस दौरान उन्होंने समस्या,सुविधाओं एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली एवं उचित मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर संस्था के उप पुलिस अधीक्षक करण सिंह मरावी, रक्षित निरीक्षक श्रीमती लवली सोनी, एडीपीओ जितेंद्र अग्निहोत्री, एडीपीओ राजवीर गुर्जर एवं समस्त अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित रहे।

इफत ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ 5वीं कक्षा उत्तीर्ण

शहडोल। जिले के धनपुरी, अमलाई कार्मेल कान्वेंट स्कूल की छात्रा इफत फातिमा ने कक्षा 5 की परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय प्रिंसिपल क्लास टीचर ट्यूशन टीचर और परिवार का नाम रोशन किया। उनकी इस सफलता पर दादा दादी व ईस्ट मित्रो द्वारा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई। संस्था के सदस्यों ने उनकी मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इफत फातिमा के पिता मोहम्मद इस्माईल जीवन बीमा निगम मे ब्रांच मैनेजर के पद पर अनूपपुर मे पदस्थ हैं इफत फातिमा की इस उपलब्धि से पूरे धनपुरी क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

जिले भर के महाविद्यालयों की पूरक परीक्षा हुई रद्द

न विषय, न छात्र संख्या की खबर, सैकड़ों छात्र बिना परीक्षा दिए बैरंग लौटे

शहडोल। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध जिले भर के महाविद्यालयों में अध्यनरत छात्रों के पूरक की परीक्षा लॉ-कॉलेज शहडोल में आयोजित होनी थी, शुक्रवार के तडक़े बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं वहां पहुंचे, लेकिन न तो परीक्षा केंद्र पर बैठक की व्यवस्था थी और न हीं जिम्मेदारों को छात्रों की संख्या और उनसे ली जाने वाली परीक्षा के विषयों का ही ज्ञान था, कई घंटे कशमकश के बाद आखिरकार परीक्षाएं स्थगित कर दी गई।

शहडोल। उच्च शिक्षा विभाग की हालत कितनी बदतर हो चुकी है, इसका उदाहरण शुक्रवार की सुबह संभागीय मुख्यालय स्थित लॉ कालेज परिसर में देखने को मिला, कानून की पढ़ाई कराने वाले महाविद्यालय में शुक्रवार की सुबह सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं कई किलोमीटर का सफर तय करके यहां पहुंचे थे, बच्चों को इसकी जानकारी थी कि उन्हें किस विषय का पेपर देना है, लेकिन महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र में इसकी कोई सटीक जानकारी अंतिम समय तक नहीं मिली कि शुक्रवार को कितने छात्र पूरक की परीक्षा में बैठेंगे और किन-किन छात्रों को किन-किन विषयों की परीक्षा देनी है, इतना ही नहीं हद तो तब हो गई, जब सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं यहां पहुंच गए, न तो उनके बैठने की व्यवस्था थी और नहीं परीक्षा केंद्र पर उतनी संख्या में शिक्षकों की ही उपस्थिति रही, जो इस परीक्षा को व्यवस्थित रूप से संचालित कर पाते, इस पूरे मामले में लॉ कालेज के मुखिया और अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के रजिस्ट्रार एक दूसरे पर दोष रोपण करते नजर आए, शहडोल से लगभग 100 से अधिक किलोमीटर दूर देवलोंद से भी छात्र-छात्राएं यहां पहुंचे थे, वहीं दूसरे छोर धनपुरी और झींक बिजुरी जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से भी छात्र-छात्राएं यहां पहुंचे थे, कुछ छात्राएं एक दिन पहले से यहां पर आकर रुके थे, जिन्हें आज यहां पूरक का पेपर देना था, लेकिन यहां की अवस्थाओं और उच्च शिक्षा विभाग की शिक्षा प्रणाली में फैली अव्यवस्था के कारण शुक्रवार को होने वाला सप्लीमेंट्री का पर्चा स्थगित कर दिया गया, भविष्य में कब परीक्षा होगी, इसकी सूचना अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के द्वारा बाद में दिए जाने की जानकारी दी गई है।

सैकड़ो की संख्या में छात्र पहुंचे

शुक्रवार की सुबह लॉ कॉलेज शहडोल में धीरे-धीरे करके सैकड़ो छात्र छात्राएं और उनके परिजन इक्_हो गए, कई माहों की तैयारी के बाद जब उनका नतीजा पूरक में आया तो, फिर उनकी तैयारी एक बार फिर शुरू हुई, विश्वविद्यालय ने परीक्षाओं की तिथियां घोषित की होगी और जाहिर है, परीक्षा आयोजित होने से पहले प्रवेश पत्र भी आवंटित किए गए होंगे, यही वजह थी कि छात्र निर्धारित समय से पहले यहां परीक्षा देने के लिए पहुंच गए थे, यह भी बताया गया कि कई छात्र-छात्राएं जो परीक्षा केंद्र से 80 से 120 किलोमीटर दूर तक रहते हैं, वह एक दिन पहले ही यहां आकर अपने परिचितों और होटल आदि में रुके हुए थे, जो सुबह नियत समय से पहले यहां पहुंच गए थे, जिन्हें बाद में जानकारी हुई कि यहां बैठने की व्यवस्था नहीं है और परीक्षा फिलहाल रद्द की जा रही है, इसके बाद भी निर्धारित समय खत्म होने के उपरांत सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं वहां मौजूद थे और परीक्षा चालू होने का इंतजार करते रहे, समय खत्म होने के बाद मायूस होकर सैकड़ो की संख्या में यहां पहुंचे छात्र-छात्राएं बैरंग ही वापस लौट गए।

पूरक परीक्षाओं के विषयों की जानकारी नहीं

शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से इस मामले को संज्ञान में लाया गया और अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के रजिस्ट्रार आदि से चर्चा भी की गई, यह बताया गया कि शुक्रवार को कला, विज्ञान और कॉमर्स के स्नातक और स्नाकोत्तर कक्षाओं की पूरक परीक्षाओं का आयोजन होना था, लेकिन किन-किन विषयों के पेपर आज होने थे, इसकी स्पष्ट जानकारी लॉ कॉलेज का प्रबंधन भी नहीं दे पाया, जिस कारण यह भी सवाल उठता है कि विश्वविद्यालय के द्वारा यदि यहां पर परीक्षा केंद्र बनाया गया था, जिन-जिन छात्रों की परीक्षा होनी थी, उनकी संख्या नाम और उनके प्रवेश पत्र तथा विषयों की जानकारी यहां पहले से ही भेजी जा चुकी होगी, इस पूरे मामले में या तो विश्वविद्यालय रीवा या फिर लॉ कॉलेज शहडोल के प्रबंधन में से किसकी लापरवाही थी , यह तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन पूरक परीक्षाओं के लिए की गई तैयारी और महाविद्यालय की तरफ से यह बयान आना की, कई विषयों की परीक्षा थी अपने आप में सोचनीय प्रश्न है।

छात्रों की सही संख्या का ज्ञान नहीं

लॉ कॉलेज प्रबंधन के रजिस्ट्रार अशोक सराफ ने इस संदर्भ में मीडिया से की गई चर्चा के दौरान बताया कि हजारों नहीं बल्कि सैकड़ो की संख्या में छात्रों की परीक्षाएं होनी थी, लेकिन उसकी सही जानकारी विश्वविद्यालय प्रबंधन रीवा के द्वारा नहीं दी गई थी, यही कारण है कि बैठने की व्यवस्था नहीं हो पाई, शुक्रवार की सुबह यह मामला सामने आने के बाद कई घंटे तक कशमकश जारी रही, लेकिन अंतिम समय तक लॉ कालेज प्रबंधन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कितने छात्र या परीक्षा देने आए थे और कितने छात्रों की परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने निर्देशित किया था, छात्रों की सही संख्या की जानकारी भी अंतिम समय तक महाविद्यालय प्रबंध नहीं दे सका।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

कला के साथ ही विज्ञान और कॉमर्स के स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पूरक परीक्षाओं में जिस तरह की लापरवाही स्थानीय लॉ कॉलेज प्रबंधन के द्वारा की गई, उससे छात्रों का भविष्य जरूर संकट में आ सकता है, गौरतलब है कि स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्रियां प्राप्त करने के बाद ही भविष्य में अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की अनुमति प्राप्त होती है, जाहिर है कि सैकड़ो की संख्या में जो छात्र यहां पहुंचे थे, उसमें से दर्जनो वैसे भी छात्र होंगे, जो किसी कारण परीक्षा न दे पाए होंगे या परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर के बाद पूरक परिक्षार्थी की श्रेणी में आए होंगे, शहडोल मुख्यालय से लगभग 100 से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित देवलोंद, झींकबिजुरी और ऐसे ही सुदूर जिले के अंतिम छोर से भी छात्र-छात्राएं यहां पहुंचे थे, जिन्होंने परीक्षा के लिए पूर्व में आए नतीजे के उपरांत अच्छे नतीजे पाने के लिए अधिक परिश्रम किया होगा, छात्रों की भावनाओं और भविष्य से बेखबर महाविद्यालय प्रबंधन की इस लापरवाही ने सैकड़ो छात्रों का भविष्य दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया।

रीवा से शहडोल तक भर्राशाही

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से यह भी बताया गया कि पूरक परीक्षाओं के लिए अभी 25 मार्च तक फॉर्म भरे जा रहे हैं, किस विषय की परीक्षा आयोजित है और किस छात्र को कहां परीक्षा देनी है, इन सब का स्पष्ट उल्लेख कहीं भी नहीं किया गया, यही वजह थी कि वार्षिक परीक्षाफल में पूरक सैकड़ो छात्र सोशल मीडिया पर प्रचार के बाद ब्यौहारी, देवलोंद, जैतपुर, बुढार, जयसिंहनगर आदि क्षेत्रों से चलकर यहां आ गए, छात्राओं के साथ उनके माता-पिता भी एक दिन पहले से यहां आकर रुके थे, जिन्हें निराश होकर वापस जाना पड़ा, पूर्व परीक्षाओं के रद्द होने के बाद शहडोल लॉ कॉलेज का प्रबंधन पूरे मामले का ठीकरा रीवा विश्वविद्यालय प्रबंधन पर फोड़ता नजर आया, वहीं विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से भी जो बयान सामने आए, उसमें पूरा का पूरा ठीकरा शहडोल लॉ कॉलेज के ऊपर मढ़ता हुआ दिखा।

डिग्री डिप्लोमा के औचित्य पर उठे सवाल

शहडोल में कई दशकों से यहां संचालित महाविद्यालय अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से सम्बद्ध रहे हैं और उसी के अधीन यहां की समस्त व्यवस्था रही है, लेकिन बीते 6 से 8 वर्ष पूर्व पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय की शुरुआत के बाद शहडोल मुख्यालय का महाविद्यालय पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय से जुड़ गया, लेकिन जिले के अन्य क्षेत्रों में स्थित महाविद्यालय आज भी अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से ही जुड़े हुए हैं, यह पहला मौका नहीं है, जब अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के द्वारा जिले के अन्य महाविद्यालय में आयोजित परीक्षाओं और अन्य व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगे हो, परीक्षाओं के अलावा बच्चों को दी जाने वाली अंक सूची, माइग्रेशन, स्थानांतरण प्रमाण पत्र तथा अन्य कई मामलों में बुढार से लेकर जयसिंहनगर और ब्यौहारी स्थित महाविद्यालय का प्रबंधन इस तरह के अनेकों मामलों में दोनों हाथ ऊपर करके खड़ा हो जाता है और छात्रों को लगातार यहां से रीवा के चक्कर लगाने पड़ते हैं, यही कारण है कि आदिवासी बाहुल्य शहडोल के छात्र शासन के तमाम प्रयासों के बाद भी स्नातक और स्नाकोत्तर की पढ़ाई या तो बीच में ही छोड़ दे रहे हैं या तो इन व्यवस्थाओं के कारण अन्य स्थानों पर जाकर दाखिला ले रहे हैं।

इनका कहना है...

हमें इसकी जानकारी नहीं थी कि इतनी संख्या में छात्र पूरक की परीक्षा देने आएंगे, ऐसी स्थिति सामने आने पर हमने विश्वविद्यालय प्रबंधन रीवा को जानकारी दी और उनके निर्देश पर आज आयोजित परीक्षा रद्द करने की सूचना छात्रों को दे दी गई।

अशोक सराफ
रजिस्ट्रार
लॉ कॉलेज शहडोल

पहले से ही तय था कि किन-किन विषयों की परीक्षा होनी है और कितने छात्र उस परीक्षा में बैठेंगे, शहडोल लॉ कॉलेज के द्वारा बैठक की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, जबकि हमने तो प्रश्न पत्र और कॉपियां वहां भेज दी थी, अव्यवस्था की जानकारी मिलने पर परीक्षा रद्द कर दी है, इसी माह के अंतिम सप्ताह में नई तिथि जारी कर पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी, अब केवल शहडोल ही नहीं बल्कि देवलोंद, जयसिंहनगर, ब्यौहारी और बुढार सहित पांच केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे छात्रों की संख्या बट जाएगी और अव्यवस्था नहीं होगी।

सुरेंद्र सिंह परिहार
रजिस्ट्रार,
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

विश्व ओरल हेल्थ दिवस के अवसर पर निकाली गई जागरूकता रैली

शहडोल। विश्व ओरल हेल्थ दिवस के अवसर पर प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. मुकुन्द चतुर्वेदी की उपस्थिति में जन-जागरूता रैली जिला चिकित्सालय शहडोल से निकाली गई। इस अवसर पर दन्त एवं मुख रोग से बचने, नशा से दूर रहने तथा वर्ष मे दो बार परीक्षण कराने की शपथ दिलाई गई। इसका उद्देश्य लोगो को दातों एवं मुख की साफ-साफई सुरक्षा करने एवं बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना है। जिला आर.एम.ओ. डॉ. पुनीत श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि शासन के निर्देशानुसार 30 मार्च तक विविध गतिविधियाँ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, स्कूलों मे आयोजित की जायेगीं। इसी तारतम्य में स्थानीय वृद्धाश्रम में डॉ. हर्षिता राच दन्त चिकित्सक एवं उनकी टीम द्वारा वृद्धजनों का दन्त एवं मुख परीक्षण किया गया तथा उन्हें ओरल बीमारियों से बचने की सलाह दी गई। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनोज द्विवेदी, दन्त चिकित्सक डॉ. विभाष रतौनिया, डॉ. नितीन मंगलानी सहित जिला अस्पताल की नर्सिंग ऑफीसर एवं स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अकाउंटिंग एवं टैली प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित 03 मार्च से 21 मार्च के मध्य,15 दिवसीय एकाउंटिंग एवं टैली विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत सेडमैप टीम द्वारा संचालित किया गया। वाणिज्य विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के कुल 60 छात्र-छात्राओं कि उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता रही। विद्यार्थियों को रोजगार के प्राप्ति के उद्देश्य से तथा उनके कौशल विकास हेतु उक्त कार्यक्रम से छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को अकाउंटिंग एवं टैली ईआरपी- 9, कंपनी निर्माण, खाता बही और समूह प्रबंधन वाउचर प्रविष्टियां (भुगतान, रसीद, कॉन्ट्रा जर्नल) डे बुक, ट्रायल बैलेंस और वित्तीय विवरण, बैंकों के लेनदेन और बैंक समाधान, इन्वेंटरी प्रबंधन, स्टॉक आइटम, इकाइयां, खरीद एवं बिक्री आदेश प्रबंधन, टैली में जीएसटी सेट ऑफ चालान, रिटर्न फाइलिंग, टी.डी.एस.और अन्य कर विन्यास, पेरोल प्रबंधन,टैली में बजट और लागत केंद्र, वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना, लाभ हानि खाता एवं चि_ा तैयार करना, डेटा सुरक्षा,बैकअप और पुनस्थापना, टैली अनुकूलन और शॉर्ट कुंजियां, लाइव प्रोजेक्ट और अंतिम मूल्यांकन इत्यादि का कंप्यूटरिकृत लेखांकन के अंतर्गत सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम में छात्रों की शत प्रतिशत उपस्थिति रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुलगुरु प्रोफेसर राम शंकर, कुल सचिव डॉक्टर आशीष तिवारी, राज्य नोडल अधिकारी पीएम उषा डॉक्टर सुनील सिंह, जिला समन्वय रवि कुमार वर्मा, परियोजना समन्वयक पीएम उषा श्रीमती नीता पंथ, टैली विशेषज्ञ श्री दानी प्रसाद साहू, पीएम उषा प्रभारी डॉक्टर रचना दुबे,समन्वयक डॉक्टर अनिल कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर रजनी गौतम एवं डॉक्टर प्रज्ञा यादव, शहडोल परिसर प्रभारी प्रो. गीता शर्राफ़ तथा डॉक्टर मनीष तिवारी, पूजा लालवानी, पूजा शर्मा, प्रकाश हिंदुजा,किशन साहू,पूनम मिश्रा तथा पूरे वाणिज्य विभाग की भूमिका रही।

कमिश्नर ने अधिकारियों को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आज कमिश्नर कार्यालय के सभागार में समयावधि पत्रों की संभाग स्तरीय समीक्षा की। कमिश्नर ने महिला बाल विकास, जनजातिय कार्य विभाग, पंचायत विभाग सहित अन्य विभागों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का निराकरण के निर्देश दिए। कमिश्नर ने समाधान ऑनलाइन, सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की तथा निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अनुपस्थिति अधिकारियों को शोकाज नोटिस देने के निर्देश भी दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

उपभोक्ता अधिकारों का करें व्यापक प्रचार प्रसारः कलेक्टर

विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यशाला

शहडोल। विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि उपभोक्ताओं को कोई भी वस्तु खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता और कीमत के बारे में पूरी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक व्यक्तियों को उपभोक्ता अधिकारों के बारे जन-जन तक बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता अधिकारों का व्यापक प्रचार प्रसार भी करें। उन्होंने कहा कि झूठे अथवा भ्रामक विज्ञापनों से सावधान रहें। सुरक्षा और गुणवत्ता हेतु आई.एस.आई. मार्क और एगमार्क वस्तुएं ही खरीदें। कार्यशाला में बताया गया कि खरीदी गई वस्तु/प्राप्त की गई सेवा की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत को जानें ताकि आपके साथ अनुचित व्यापार-व्यवहार के माध्यम से धोखा न हो सकें, अनुचित अथवा प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अथवा अनैतिक रूप से शोषण का कानूनी समाधान कराएँ, जान-माल को नुकसान पहुंचाने वाली घटिया, खतरनाक वस्तुएं खरीदने, सेवाएं प्राप्त करने से बचें, जहां तक संभव हो वस्तुएं और सेवाएं प्रतियोगी दरों पर प्राप्त करें, 5.00 लाख रूपये तक के दावे में कोई न्याय शुल्क देय नहीं है। उपभोक्ता को अपने निवास स्थान के न्यायालय में परिवारवाद की अधिकारिता है। कार्यशाला में बताया गया कि शिकायत किन स्थितियों में करे किसी व्यापारी द्वारा अनुचित/प्रतिबंधात्मक पद्धति के प्रयोग से यदि आपको हानि/क्षति हुई है, यदि खरीदे गए सामान में कोई खराबी है, किराए पर ली गई/उपयोग की गई सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी पाई गई है, यदि आप से प्रदर्शित मूल्य अथवा लागू कानून द्वारा तय मूल्य अथवा दोनों पक्षों द्वारा स्वीकृत मूल्य से अधिक मूल्य लिया गया है सहित अन्य आवश्यक जानकारियों से भी अवगत कराया गया।

आवास योजना से वंचित ग्रामीणों ने जनपद में की क्रमिक हड़ताल

28 मार्च से भूख हड़ताल की चेतावनी

मानपुर। जनपद पंचायत के सामने ग्राम पंचायत कुशमहां, सेजवाही के सरपंच एवं ग्रामीणों ने आवास योजना का लाभ ना मिलने के विरोध में 20 मार्च से क्रमिक हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल 27 मार्च तक चलेगी, जिसके बाद 28 मार्च से ग्रामीण भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी दी गई है, ग्रामीणों का कहना है कि हम लोगों को वनाधिकार का पट्टा मिला है, इसके बावजूद ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अलावा भी कई योजनाएं हैं, जो नहीं मिल रही है, जबकि वनाधिकार में किसी भी योजना से वंचित नहीं किया जा सकता और अन्य सरकारी आवास योजनाओं के तहत मकान आवंटित नहीं किए गए हैं, जबकि वे सभी पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं। कई बार अधिकारियों को ज्ञापन देने और अपनी समस्याएं उठाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने अब आंदोलन का रास्ता चुना है।

कलेक्टर ने दिया था आश्वासन

ग्राम पंचायत कुशमहां सेजवाही के सरपंच ने बताया कि हम कई बार शासन-प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हमारी समस्याओं को अनसुना किया जा रहा है। हमारे गांव के कई लोग आज भी कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। जब तक हमें न्याय नहीं मिलता, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा, क्रमिक हड़ताल पर बैठे ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि चुनाव के दौरान हमनें चुनाव का बहिष्कार किया था, तब कलेक्टर धर्णेनद्र कुमार जैन ने एक सप्ताह के अंदर मौखिक निराकरण करने के लिए कहा था, लेकिन आज दिनांक तक नतीजा शून्य रहा, हम ग्रामीण मजबूर होकर हड़ताल पर बैठे हुए हैं

28 से भूख हड़ताल की चेतावनी

ग्रामीणों का कहना है कि 27 मार्च तक कोई समाधान नहीं निकला, तो 28 मार्च से ग्रामीण भूख हड़ताल पर बैठेंगे। इससे हालात और गंभीर हो सकते हैं, जिससे प्रशासन पर दबाव बढ़ेगा, अब देखने वाली बात यह होगी कि शासन-प्रशासन इस आंदोलन पर क्या कदम उठाता है और क्या कुशमहां पंचायत के ग्रामीणों को उनका हक मिल पाएगा या नहीं।

शादी का झांसा देकर किया दुराचार

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के गांव की रहने वालीं 23 वर्षीय एक युवती से उसके दूर के रिश्तेदार सूरज से पहले फोन पर बातचीत होने लगी, मौका देखकर सूरज युवती से प्यार का इजहार कर बैठा, दोनों की लव स्टोरी जल्द ही शारीरिक संबंध में तब्दील हो गई, सूरज युवती को प्यार का वास्ता और जल्द शादी का वादा कर युवती से जबरन कई बार कभी जंगल ले जाकर तो कभी खेत बड़ी में दुराचार करता रहा, समय बीतता था, जब उसका मन भर गया तो, वह युवती से दूरी बनने लगा, इस दौरान युवती लगातार शादी के लिए युवक को बोलती रही, वह इग्नोर करने लगा, तब युवती को समझ आ गया कि उसके साथ गलत हो गया ,जिससे आहत युवती ने मामले की जानकारी परिजनों को दी और मामले की शिकायत महिला थाने में की, पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने सूरज के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलास में जुट गई है।

इनका कहना है...

महिला थाना में एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके रिश्ते का एक युवक शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत काम किया और फिर शादी से इनकार कर दिया ,युवती की शिकायत पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहडोल

खबर संक्षेप

जमीनी विवाद को लेकर मामला दर्ज

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत पथरौडी गांव में रहने वाले हेमंत 52 वर्ष के साथ गांव के ही कुछ लोगों द्वारा जमीनी विवाद को लेकर जबरन जमीन पर कब्जा करते हुए गाली गलौज, मारपीट किए जाने की धमकी दी जाती है। बताया जाता है कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पूर्व से विवाद चल रहा है जिसके बाद जमीन में कब्जा करने के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित होती है।

सड़क हादसे में घायल की उपचार के दौरान मौत

कोतमा। थाना अंतर्गत गढ़ी गांव के पास बीते दिनों हुए सड़क हादसे में भगवान दास साहू 28 वर्ष की उपचार के दौरान दर्दनाक मौत हो गई थी। पुलिस के द्वारा मामले की जांच के बाद आरोपी वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर मार डालने को लेकर मामला दर्ज किया गया। घटना के बारे में बताया जाता है कि गढ़ी गांव के पास तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चालक के द्वारा दुर्घटना करने से भगवान दास साहू घायल हो गया था जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

मवेशियों के चरने से गेहूं की फसल को नुकसान

कोतमा। थाना क्षेत्र के अंतिम छोर में स्थित जर्राटोला में रहने वाले भीमसेन जायसवाल के द्वारा अपने खेत में लगाए गेहूं की फसल को गांव के ही रहने वाले व्यक्ति के मवेशियों द्वारा चरने एवं नुकसान किए जाने को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार भीमसेन के द्वारा अपने खेत बाड़ी में गेहूं के फसल लगाया था जो पककर तैयार हो जाने के बाद गुरुवार की रात को मवेशियों के द्वारा नुकसान पहुंचा दिया गया।

पुस्तैनी जमीन का मामला पहुंचा थाने

कोतमा। नगर से 7 किलोमीटर दूर स्थित बेलिया गांव में रहने सरमन की पुस्तैनी जमीन पर दूसरे लोगों द्वारा कब्जा करने व विवाद किए जाने को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। बताया जाता है की शिकायत के अनुसार हमारे पिता जी के कब्जे की जमीन पर गांव के ही हेमंत व अन्य लोगों के द्वारा कब्जा करते हुए विवाद करने व अभद्रता किया जाता है। शिकायत पर पुलिस के द्वारा दोनों पक्षों को दस्तावेज के साथ बुलाते हुए जांच की जा रही है।

काशी आयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेन 26 मार्च को रवाना होगी

उमरिया। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेन 26 मार्च को रवाना होगी । उन्होने बताया कि काशी आयोध्या के लिए 200 तीर्थयात्रियों का चयन लाटरी पद्धति के माध्यम से किया गया है तथा 20 तीर्थयात्री प्रतीक्षासूची रखे गये है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले सहित धनुषधारी सिंह, राकेश दर्दवंशी, दिव्यप्रकाश गौतम, हीरा सिंह चंदेल उपस्थित रहें।

बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग धनपुरी ओसीएम में हुई शुरू

धनपुरी। इन दिनों नगर मे हिंदी बॉलीवुड फ़िल्म की सूटिंग धनपुरी ओसीएम मे चल रही है, प्रोडक्शन ब्राइट बीम मीडिया के बैनर तले बनने वाली बॉलीवुड फ़िल्म जो की बैगा आदिवासियों के जीवन क़ो दर्शाता हैं, डायरेक्टर आर.एन.सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन में फिल्म के एक-एक सीन पर गंभीर विचार विमर्श करने के बाद ही सूटिंग यूनिट पहुँचती है, यह एक प्रेम कथा पर आधारित फ़िल्म हैं, जिसमें लव स्टोरी और गानो को विभिन्न लोकेशन पर शूट किया जा रहा है। मुंबई से आई टीम को देखने के लिए काफी तादाद मे दर्शकों की भीड़ जमा रहती है, बैगा जनजाति की जीवन शैली में अब पहले की तुलना में आजादी के बाद से काफ़ी बदलाव हुए है, इस समुदाय के युवा अब आपको मोबाइल पर बातें करते और डीजे की धुनो पर थिरकते नजर आ हैं। उन पर आधुनिक परिवेश का असर पड़ रहा है। आदिवासियों पर फ़िल्में बनाने में दिलचस्पी रखने वाले डायरेक्टर का यह कहना है कि मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर बैगा आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और समाज मे फैली कुंठा से ग्रसित एक बूढ़े व्यक्ति की प्रेम कथा पर आधारित है, जिसमें सस्पेंस, थ्रीलर, प्रेमकथा है, शहडोल-धनपुरी के लिये यह दोहरी ख़ुशी की बात है। इस फ़िल्म की सूटिंग एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के धनपुरी ओसीएम पूरी प्रोडक्शन टीम सूटिंग मे व्यस्त है, वहीं स्थानीय लोगो क़ो इस फ़िल्म मे कई अहम रोल भी दिए गए हैं, जिससे उनकी अच्छी खासी इंकम हो रही, एस फ़िल्म क़ो लेकर धनपुरी नगर मे कौतुहाल का विषय है और लोगो क़ो एक नया अनुभव महसूस हो रहा है।

मेकअप आर्टिस्ट में हैं अपार संभवनाएं

तबरेज खान मेकअप आर्टिस्ट, दुबई अंजलि गुप्ता हेयर डिजाइनर, नंदिनी पटेल फैशन डिजाइनर, इंडिया, इनके अथक प्रयास की वजह से यह फिल्म निर्माण सफल हो रहा है, मेकअप आर्टिस्ट मुंबई से कुछ दुबई से आए हुए हैं, जो की फिल्म निर्माण के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, जब मेकअप आर्टिस्ट तबरेज खान से चर्चा की तो, उन्होंने बताया इसके पूर्व भी उन्होंने कई हिंदी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी भूमिका निभाई है, श्री तबरेज़ ने बताया की हेयर डिजाइनर मेकअप आर्टिस्ट में बहुत बड़ा कैरियर की संभावना है, यहां के युवा चाहे तो मेकअप डिजाइनिंग व हेयर स्टाइल डिजाइनर का कोर्स करके अपना भविष्य बना सकते हैं, श्री तबरेज ने बताया कि शहडोल जिला हमारा पहली बार आना हुआ है, यदि यहां के युवाओं की इस क्षेत्र में रुचि है तो, मैं हर संभव मदद करने को तैयार हूं। उन्होंने आगे बताया कि यहां की लोकेशन बहुत शानदार है, आने वाले दिनों में वह मध्य प्रदेश डायरेक्टर प्रोड्यूसर से बात करके यहां और भी फिल्मों की शूटिंग को लेकर चर्चा करेंगे।

सिनेमा जगत में मध्यप्रदेश का योगदान

सिनेमा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को जो पहचान मिली है, उसका श्रेय यहां की सरकार और टूरिज्म डिपार्टमेंट के सहयोग को जाता है। इसके साथ ही यह श्रेय हमें फिल्म निर्देशक प्रकाश झा को भी देना चाहिए, जिन्होंने अपने एक नहीं कई फिल्मों की शूटिंग यहां की और यहां के वातावरण, सरकार, प्रशासन और टूरिज्म डिपार्टमेंट से मिले सहयोग की ब्रांडिंग मुंबई में की। इसके बाद यहां फिल्म प्रोजेक्ट आना शुरू हुए और अब मध्यप्रदेश की शूटिंग हब के रूप में पहचान स्थापित हो गई है। ख़ास बात यह भी है कि जिस फिल्म डायरेक्टर ने राज्य में अपना प्रोजेक्ट पूरा किया है, वह अपने अगले प्रॉडक्शन को लेकर भोपाल या राज्य के अन्य इलाकों में शूटिंग करने आते हैं। अब फीचर फिल्में ही नहीं बल्कि भोपाल और मध्यप्रदेश में बेवसीरिज, टीवी सीरियल्स, एड फिल्म काफी बन रही है। यहां के मनोरम दृश्य हरी भरी वादियां, नदियां, पहाड़, झरने ही मुंबई फिल्म मेकर का ध्यान आकर्षित करती हैं और अपनी ओर खींचती है, लोग यहां की सुंदरता को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं, फिल्म के डायरेक्टर आर.एन.सक्सेना ने बताया की इसके बाद हमारी शूटिंग अनूपपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में होगी, जिसमें प्रमुख रूप से मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक के कई शूट होने हैं, जल्दी उन सब को पूरा कर लिया जाएगा।

मध्यप्रदेश शासन से मिल रहा सहयोग

मुंबई से आए डायरेक्टर ने बताया कि संभाग हमारे लिए नई जगह थी, हमें यहां पर आने में कोई दिक्कत तो नहीं हुई पर यह लग रहा था कि यहां पर पहली बार फिल्म की शूटिंग हो रही है लोग यहां पर हमें कॉर्पोरेट करेंगे या नहीं, लेकिन प्रशासन ने हमारा पूरा सहयोग किया मैं अनूपपुर कलेक्टर शहडोल कलेक्टर, जी एम सोहागपुर क्षेत्र व पुलिस के आला अधिकारियों के सहयोग के लिए अपनी पूरी टीम की ओर से धन्यवाद दूंगा, आने वाले समय में मुंबई और बॉलीवुड-हॉलीवुड में जो इसकी छवि बनेगी, निश्चय ही यहां पर आने वाले दिनों में बहुत सारी फीचर फिल्मों वेब सीरीज एड के लिए मध्य प्रदेश के शहडोल जिले को हमारी पहली प्राथमिकता होगी, टीम के साथियों ने बताया कि मार्वल टेंट हाउस धनपुरी द्वारा जितना सहयोग हमें मिल रहा हैं, मोहम्मद रईस भाई, शहीद भाई से मिल रहे आतुल्यनीय सहयोग के लिए हमरी पूरी प्रोडक्शन टीम धन्यवाद देती है।

ठगी के 1 लाख 59 हजार रूपये सायबर सेल ने कराये वापस

उमरिया। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू द्वारा सायबर सेल को धोखाधड़ी की प्राप्त शिकायतो पर त्वरित प्राथमिक कार्यवाही करते हुये मामले में ठगी गई राशि को रोकने एवं आवेदक को के खाते में वापिस कराने के लिये प्रयास करने हेतु निर्देशित किया गया । पुलिस अधीक्षक के निर्देश के पालन में सायबर सेल उमरिया द्वारा प्राप्त शिकायतो पर त्वरित कार्यवाही की जाती है । इसी कड़ी में सायबर सेल उमरिया द्वारा वर्ष 2025 में 58 शिकायतो पर 202 खातो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये मामले में 4, 89, 600 रूपये होल्ड कराये गये है । खातो में राशि होल्ड कराने के पश्चात अग्रिम कार्यवाही एसओपी के अनुरूप करते हुये अथक प्रयासो से कोर्ट से आर्डर प्राप्त कर बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित करके 4 आवेदको जिनके साथ एपीके फाईल भेजकर, सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने का झांसा देकर, अपने आप को रिश्तेदार बताकर ठगी करने जैसे मामलो में विगत 1 सप्ताह में कुल 1, 59, 750 रूपये आवेदको के खाते में वापिस कराये गये है ।

इसके पूर्व इसी वर्ष 42, 000 रूपये सायबर सेल के माध्यम से आवेदक के खाते में राशि वापिस कराई गई है शेष प्रकरणो में भी तत्परता से प्रयास जारी है जिससे निश्चित ही अन्य मामलो में भी आवेदको के खाते में राशि वापिस कराने में सफलता प्राप्त होगी । आवेदक शेखर कुर्मी द्वारा 11 नवंबर 2024 को सायबर सेल उमरिया में शिकायत दर्ज की गई कि उनके पिता के साथ 99, 800 रूपये की बिना जानकारी के धोखाधड़ी हो गई है । जांच पर पाया गया कि उनके द्वारा अपने फोन में सरकारी योजना के नाम पर आई एपीके फाइल को डाउनलोड किया गया था जिस कारण उनके साथ धोखाधड़ी हुई। सायबर सेल उमरिया द्वारा शिकायत पर कार्यवाही करते हुये मामले में राशि होल्ड कराई फिर न्यायालय से आदेश प्राप्त कर आवेदक के पैसे वापिस कराये गये ।

इसी प्रकार शेष अन्य 3 शिकायते जिसमें आवेदक चंद्रमा महतो के साथ सरकारी योजना का लाभ लेने के नाम पर फ्राड कॉल के माध्यम से हुई धोखाधड़ी में 20,000 आवेदक राकेश बैगा के साथ हुई ठगी में 10,000 एवं आवेदक राजेश सिंह की पत्नी को फर्जी इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी गई राशि 30,000 रूपये सायबर सेल के प्रयास से वापिस कराये गये । कार्यवाही में सायबर सेल प्रभारी संदीप सिंह एवं मनीषा उइके की सराहनीय भूमिका रही है । सायबर जागरूकता कार्यक्रम के कारण पिछले वर्ष अब की स्थिति में 87 शिकायते प्राप्त इस वर्ष आज दिनांक की स्थिति में 58 शिकायते प्राप्त हुई है । इस वर्ष आज दिनांक तक की स्थिति में 58 शिकायतो पर कार्यवाही करते हुये 202 खातो के विरूद्ध कार्यवाही कराते हुये 4, 89, 607 रूपये होल्ड कराये गये जिसमे से 2, 01, 750 रूपये आवेदको को वापिस कराये गये है, शेष राशि वापिस कराने के लिये प्रयास जारी है । वर्तमान पुलिस अधीक्षक उमरिया के अबतक के कार्यकाल में करीब 2200 खातों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये करीब 37 लाख रूपये होल्ड कराये गये जिसमें से करीब 15 लाख रूपये आवेदको को वापिस कराये गये है ,शेष राशि वापिस कराने के लिये प्रयास जारी है ।

आज से दो दिवसीय मेला का आयोजन

उमरिया। जिला स्तरीय आत्मा एवं मिलेट्स मिशन योजनांतर्गत मेला 22 मार्च को दोपहर 12 बजे से मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में कृषि उपज मंडी प्रांगण उमरिया में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद ज्ञान सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह करेंगे। यह मेला 23 मार्च तक चलेगा।

रानी दुगार्वती भवन मे संगम रोजगार मेला संपन्न

उमरिया। रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन उमरिया में संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में मोबाइल पेय, रिलायंस निप्पोन, प्रगतिबायोटेक तथा एलआईसी उमरिया की कंपनी ने भाग लिया । मेले में 75 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया । मेले के माध्यम से मोबाइल पेय में 13 युवको को, रिलायंस निप्पोन में 4 युवको को, प्रगतिबायोटेक में 3 युवको को तथा एलआईसी में 14 युवको को रोजगार उपलब्ध कराया गया । मेले में सहायक संचालक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र अमन दुबे, जिला रोजगार कार्यालय से एस के कोरी, मुकेश दुबे उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय कम्युनिटी यूथ लीडर प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन एवं जनजाति का विभाग मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वाधान में जीवन कौशल सक्षम कार्यक्रम के माध्यम से जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित माध्यमिक शालाओं, आदर्श आवासीय विद्यालय ,कन्या शिक्षा परिषर में जीवन कौशल सक्षम कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है । कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य में उमरिया जिले के विकासखंड पाली के बीआरसी भवन में 18 मार्च से 20 मार्च तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें परियोजना क्षेत्र में अलग-अलग ग्रामों से कम्युनिटी यूथ लीडर की सहभागिता रही । प्रशिक्षण ब्लॉक मैनेजर संदीप शुक्ला के द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक महाराणा प्रताप सिंह जन अभियान परिषद पाली की ब्लॉक समन्वयक पुष्पा टेकाम व बीआरसी संतोष शिवहरे व दीपक नामदेव के सहयोग से प्रशिक्षण संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण में विस्तार पूर्वक संविधान, बाल कैबिनेट,मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा का अधिकार ,बाल संरक्षण व सुरक्षा कानून पास्को एक्ट, शाला प्रबंधन समिति पर विस्तृत चर्चा करते हुए कम्युनिटी यूथ लीडर की समझ बनाई गई।

रंग पंचमी पर मंगल भवन में आयोजित किया गया होली उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम

कोतमा। रंग पंचमी के अवसर पर नगर की सामाजिक महिलाओ द्वारा मंगल भवन में होली उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित होली मिलन में उपस्थित महिलाओं के द्वारा पारंपरिक गुलाल के रंगों में सराबोर होकर आपस में एक दूसरे को गुलाल लगाया। होली मिलन के दौरान सांस्कृतिक एवं हंसी की मनोरंजन प्रस्तुति भी दी गई। मनोरंजन खेल करते हुए एक दूसरे को रंग गुलाल लगाते हुए होली की शुभकामनाएं दी गई। सभी लोगों ने कहा कि होली पर्व समाज में प्रेम,भाईचारा और एकता का संदेश देता है। रंग, गुलाल, गेम स्वल्पाहार के साथ भव्य आयोजन ने सभी का मन मोह लिया। नगर के विभिन्न वार्डों सहित जमुना, भालूमाड़ा से आई महिलाओं ने कहा कि होली सिर्फ रंगो का त्यौहार नहीं, बल्कि यह आपसी भाई चारे को भी बढ़ाता है।

जैतहरी में स्टाम्प वेंडर और नोटरियों की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग

नगर परिषद अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जैतहरी। जैतहरी तहसील में स्टाम्प वेंडर एवं नोटरियों द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलने की लगातार मिल रही शिकायतों से आम जनता में भारी आक्रोश है। शासन द्वारा तय शुल्क की अनदेखी कर अवैध रूप से अधिक राशि वसूलना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सरकार की न्यायिक प्रक्रिया को भी प्रभावित कर रहा है।

शिकायतें बढ़ीं, जनता परेशान

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, शासन द्वारा अधिकृत स्टाम्प विक्रेता एवं नोटरी मनमानी करते हुए दस्तावेज प्रमाणन और स्टाम्प शुल्क के नाम पर निर्धारित शुल्क से कहीं अधिक पैसे वसूल रहे हैं। विरोध करने पर जनता को यह कहकर चुप करा दिया जाता है कि हमें ऊपर तक पैसा पहुंचाना पड़ता है। इस तरह की अवैध गतिविधियां शासन की पारदर्शी एवं सुगम न्याय व्यवस्था की मंशा को कमजोर कर रही हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष ने की मुख्यमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग

इस गंभीर मामले पर जैतहरी नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधि एवं विधायी कार्य विभाग से तत्काल संज्ञान लेने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि दोषी स्टाम्प वेंडरों और नोटरियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, जिससे इस प्रकार की अवैध वसूली पर रोक लगाई जा सके।

जल्द हस्तक्षेप नहीं हुआ तो आंदोलन संभव

स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि इस विषय पर प्रशासन द्वारा शीघ्र हस्तक्षेप नहीं किया गया तो जनता मजबूर होकर विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतर सकती है। लोगों की मांग है कि दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए और स्टाम्प वेंडर एवं नोटरी सेवा की सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि इस तरह की कालाबाजारी पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। सरकार से अपेक्षा की जा रही है कि वह इस मामले पर त्वरित निर्णय लेकर जनता को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

भालूमाड़ा पुलिस ने 3 साल से फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

भालूमाड़ा। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर 08/05/2022 को शिवलहरा घाट केवई नदी भालूमाडा में रेड कार्यवाही कर आरोपी मनोज अगरिया पिता मानसाय अगरिया निवासी ग्राम छिडमिडी के कब्जे से एक झोले में कुल 7 कि.ग्रा. मादक पदार्थ गांजा रखा पाये जाने से मादक पदार्थ गांजा एवं पल्सर मोटर सायकल को मौके से जप्त किया जाकर आरोपी मनोज अगरिया पिता मानसाय अगरिया निवासी छिडमिडी को गिरफ्तार किया गया था तथा अपराध क्र. 234/2022 धारा 8/20(B) एन डी पी एस एक्ट का कायम किया गया था। आरोपी पहरु उर्फ सम्हारु पिता रामलाल यादव निवासी भाद का जो मौके जंगल झाडी का फायदा उठाकर फरार हो गया था जो लगातार फरारी काट रहा था जिसे 20 मार्च को अथक प्रयास के उपरांत लम्बे समय से फरार आरोपी पहरु उर्फ सम्हारु पिता रामलाल यादव निवासी भाद को ग्राम भाद से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको उप निरी0 जे.पी. लकड़ा, उप निरी0 राघव बागरी आर. भानू प्रताप सिंह, प्रवीण भगत, कृपाल सिंह, अभिषेक चौहान चालक आर. दिनेश मुजालदे की अहम भूमिका रही।

कोयला खदान के लिए जमीन देने वाले भू-स्वामियों की पोतियों को भी मिलेगी नौकरी

कुसुम नामदेव खडे ने कोल इंडिया के खिलाफ रोजगार के लिए दायर की थी याचिका

राजनगर। अनूपपुर जिला कोयलांचल क्षेत्र है, कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड की कोयला खदाने हसदेव क्षेत्र, जमुना कोतमा क्षेत्र, इसके अंतर्गत आते हैं। इन क्षेत्रों में कोयला उत्खनन का कार्य बड़े पैमाने पर किया जाता है। कोयला उत्खनन के लिए भू स्वामियों के भूमि का अधिग्रहण भी किया जाता है।

कोयला खदान के लिए अपनी जमीन देने वाले भू-स्वामियों की पोतियों को भी अब नौकरी मिलेगी। इस आशय का आदेश मुंबई हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने जारी किया है। जानकारी के अनुसार कुसुम नामदेव खड़े ने कोल इंडिया के खिलाफ रोजगार की मांग को लेकर मुंबई हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता के दादा की भूमि वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने 17 अक्टूबर 2014 को ले ली थी। भूमि अधिग्रहण के एवज में डब्ल्यूसीएल में नौकरी के लिए पोती कुसुम नामदेव खड़े ने क्लेम किया। लेकिन प्रबंधन ने पोती को नौकरी नहीं देने के प्रावधान का हवाला देते हुए इसे खारिज कर दिया था। इसके बाद कुसुम नामदेव खड़े ने इस संबंध में उच्च न्यायालय, नागपुर में याचिका दायर की। मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 11 मार्च 2025 को इस प्रकरण में फैसला सुनाया है। हाइकोर्ट ने अपने फैसले में डब्ल्यूसीएल के उस सर्कुलर पर टिप्पणी की है। जिसमें पोती को परिवार का हिस्सा नहीं माना गया था। कोर्ट ने डब्ल्यूसीएल के सर्कुलर को खारिज करते हुए पोती को भी रोजगार देने का निर्देश जारी किया है। इस याचिका को दायर कराने में एचएमएस नेता शिवकुमार यादव ने सहयोग किया। इस हाई कोर्ट के आदेश आ जाने के बाद के अब पोतियो को भी रोजगार मिलेगा। कोयलांचल क्षेत्र में कई कोयला खदानो के संचालन के जमीन अधिग्रहण का कार्य चल रहा है, इस स्थिति में पारिवारिक सदस्यों में पोतिया को भी अब रोजगार मिलना संभव हो गया है। समय-समय पर सभी श्रमिक संगठनो द्वारा श्रमिक हित हेतु ऐतिहासिक निर्णय और फैसला कराए जाते रहे हैं।

Coal India Limited
A Maharatna Company

मुंबई हाइकोर्ट की नागपुर बेंच ने सुनाया फैसला

एक शाम लांस नायक दीपचंद के नाम

23 मार्च को शहीदों के सम्मान में सच्ची श्रद्धांजलि करेंगे अर्पित

बुढार। शहीदों के सम्मान व श्रद्धांजलि के प्रति समर्पित संभाग ही नहीं अपितु प्रदेश स्तर पर जिले के कोयलांचल में होनें वाला सबसे बड़ा कार्यक्रम ₹एक शाम शहीदों के नाम₹ की तैयारियां अंतिम चरण में है। इस कार्यक्रम को लेकर जहां जनमानस में प्रतिवर्ष की तरह उत्साह है वहीं यर कार्यक्रम समूचे जिले को रन करता है। इस कार्यक्रम में देश की आजादी में हिस्सेदार बनें उन तमाम क्रांतिकारियों, वीरसपूतों को श्रद्धांजलि देकर न सिर्फ याद किया जाता है बल्कि कार्यक्रम का उद्देश्य उन क्रांतिकारियों के परिजनों से मुलाकात कर उन तमाम पहलुओं को आमजन से साझा किया जाता है जिसे आमजन कम ही जानते हैं। बीते लगभग एक दशक से हो रहे इस कार्यक्रम का इंतजार जहां क्षेत्रवासियों को रहता है वहीं आगामी 23 मार्च शहीदी दिवस को यह कार्यक्रम संपन्न होनें जा रहा है।

शिरकत करेंगे लांस नायक दीपचंद जिन्होनें देश के लिये गंवा दिये दोनों पैर व एक हांथ

23 मार्च को होनें जा रहे इस कार्यक्रम में लांस नायक दीपचंद जी शिरकत करेंगे। नायक दीपचंद जी देश के प्रति अपना जीवन समर्पित कर देनें वाले उन क्रांतिकारियों में से एक है जिनके पराक्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हरियाणा के हिसार निवासी दीपचंद जी वर्ष 1989 में सेना में भर्ती हुये थे। दीपचंद जी नें खुफिया विभाग में काम करते हुये कश्मीरी लैंग्वेज कोर्स करनें के बाद ड्यूटी ज्वाइन की थी। रिटायर्ड लांस नायक दीपचंद जी को 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान टाइगर हिल में तैनात किया गया था। कारगिल युद्ध में मिसाइल रेजीमेंट का हिस्सा रहे दीपचंद जी नें आपरेशन विजय में तोलोलिंग के ऊपर सबसे पहला गोला दागा था। इन्होनें करीब आठ आतंकवादियों को मौत के घाट उतारनें में अहम रोल अदा किया था। टाइगर हिल के 17 हजार फिट की ऊंचाई पर दीपचंद जी नें न सिर्फ दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिये और हौशला तोड़ा बल्कि अपनें साथियों की जान भी बचाई।

तोप का गोला फटनें से हुये थे जख्मी, खाना नहीं गोला-बारुद की करते थे मांग

कारगिल युद्ध के दौरान तोप का गोला फटनें से दीपचंद जी बुरी तरह जख्मी हो गये थे, यह हादशा उस समय हुआ जब जब दीपचंद जी और उनके साथी आपरेशन पराक्रम के दौरान वापसी के लिये सामान बांधनें की तैयारी कर रहे थे। बुरी तरह से जख्मी दीपंचद जी के बचनें की उम्मीद कम ही थी। डॉक्टर उनका लगातार ईलाज कर रहे थे और उन्हें बचानें के लिये डॉक्टरों को उनकी दोनों टांगो और एक हाथ को काटना पड़ा। इस दौरान उनका इतना खून बहा कि उन्हें बचाने के लिये 17 बोतल खून चढ़ाना पड़ा। जानकारी के मुताबिक दीपचंद जी को जब उनके साथी सप्लाई देनें आते थे तो वह उनसे कहते थे कि उन्हें खाना मिले या न मिले गोला बार बारुद ज्यादा से ज्यादा मिलना चाहिये। उनकी बटालियन नें 10 हजार राउंड फायरिंग की। और उनकी बटालियन को 12 गैलेन्टरी अवार्ड मिले और कारगिल जीतनें का सौभाग्य मिला। भूतपूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत द्वारा दीपचंद जी को उनकी बहादुरी के लिये ₹कारगिल योद्धा₹ की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में लांस नायक दीपचंद जी ₹आदर्श सैनिक फाउंडेशन₹ के जरिये ड्यूटी के दौरान विकलांग हुये सैनिकों के कल्याण के लिये काम करते हैं।

शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है कार्यक्रम का आयोजन

गौरतलब है कि बीते लगभग एक दशक से शहीदों को याद करते हुये उनके सम्मान में होनें वाले इस कार्यक्रम का आयोजन शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन के नेतृत्व और आमजनता व युवाओं की सहभागिता से प्रत्येक वर्ष शहीदी दिवस 23 मार्च को किया जाता है। इस वर्ष 23 मार्च 2025 दिन रविवार को कोयलांचल नगरी बुढार के तहसील ग्राउंड में ₹एक शाम शहीदों के नाम₹ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस कार्यक्रम को लेकर जहां जनमानस में उत्साह है वहीं इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन नें इस मौके पर आमजनों को आमंत्रित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देनें व कार्यक्रम को सफल बनानें की अपील की है।

रबी फसलों के साथ ही आम और महुआ की फसलों को नुकसान, चिंता में क्षेत्र के किसान

बेमौसम बरसात के साथ ओले गिरे

धनपुरी। कोयलांचल में शुक्रवार दोपहर लगभग साढे चार बजे तेज आंधी के साथ बारिश ओलावृष्टि से रबी की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। कस्बे सहित आसपास के बेम्हौरी, सरईकापा, धमनी, खैरहा, विक्रमपुर, चिट्हला, छिरहिटी आदि पंचायतों के गांवों में करीब 5 मिनिट तक बड़े आकार के ओले गिरने से जमीन पर ओला की चादर बिछ गई। इस बैमौसम की बारिश से रबी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों ने बताया कि इस समय धनिया,गेंहू,सरसों ,मसूर आदि फसलें खेतो ओर खलिहानों में फैल रही है जिसमें बारिश से काफी नुकसान हुआ कई किसानों ने खेतों में फसलों को इकट्ठा करके तिरपाल ढांककर बचाने की जुगत बिठाई लेकिन तेज हवा के कारण कई जगह तिरपाल उड़ गए या फट जाने से फसलें भीग गई। सबसे अधिक नुकसान धनिए में पहुंचा है किसानों का कहना हें कि इस साल तो फसलों का उत्पादन ओर गुणवत्ता दोनो प्रभावित हुए हैं कई किसान तो लागत भी नहीं निकल पाने से चितिंत है।

नुकसान के सर्वे की मांग

क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश के चलते फसलों में हुए नुकसान से किसानों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति पैदा होने की आशंका को देखते हुए तहसील स्तर पर सर्वे कर वर्षा के मापदंड के अनुसार नुकसान का आकलन कर प्रत्येक गांव के अनुसार नुकसान का सर्वे कर किसानो को मुआवजा देने की मांग की गयी है।

आम और महुआ फसल नष्ट

गौरतलब है कि इन दिनों आम के बौर लगे हुए हैं और महुआ फूल गिरने का भी समय है जो बारिश और ओलावृष्टि के कारण बुरी तरह से नष्ट हुई है। क्षेत्र में महुआ भी एक मुख्य फसल में शामिल है इसके साथ ही बगीचों में लगे आम के पेड़ भी स्थानीय किसानों की आय का एक अच्छा स्त्रोत है। यदि बारिश नहीं होती तो किसानों को इसका लाभ जरूर मिलता लेकिन बे मौसम बारिश और ओला वृष्टि ने आम और महुआ की फसलों को नष्ट कर किसने और आम उत्पादकों की कमर ही तोड़ कर रख दी है।

पत्तों के खड़कते ही बिजली गुल

मौसम अचानक खराब होने पर तेज हवाओं का एक झोंका आया और बिजली गुल हो गई। लगभग 15 मिनट बिजली गुल रही और इसी दौरान नगर हो या गांव हर कहीं बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी रहा जो जहां था, वही थम कर रह गया, कुछ समय बाद जब बारिश और ओलावृष्टि का दौर थमा तब लोग अपने गंतव्य की ओर जा सके। मौसम की इस बेरुखी से हालांकि जोर पकड़ रही गर्मी के मौसम से लोगों को राहत मिली है लेकिन किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

सामूहिक रोजा अफ्तार में मांगी गई दुआ

धनपुरी। रमजान के मुबारक माह पर वार्ड क्रमांक 22 धनपुरी में रोजा अफ्तार का प्रोग्राम स्थानीय लोगों ने किया।इस मौके पर आसपास के भारी संख्या में भाई-बहन एवं बच्चों से सामूहिक रूप से रोजा अफ्तार किया और देश में अमन चैन खुशहाली के लिए सामूहिक रूप से दुआ मांगी गई। इस प्रोग्राम को आयोजित करने में हाजी इजहार अंसारी अमजद खान बाबा मोहम्मद सफीक पत्रकार ने स्थानीय लोगों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसको सफल बनाने में मोहल्ला के नौवजवानों ने सहयोग किया।

पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई में ग्रामीणों ने रखी अपनी मांग

समस्या का निदान प्राथमिकता से किये जाने कराया गया आस्वस्त

शहडोल। जे.एस. डब्ल्यू. सीमेंट लिमिटेड की मरवाटोला - 6 भूमिगत कोयला खदान को लेकर छह ग्रामो के मध्य पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई ग्राम शाहपुर में आयोजित की गई और ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं जिस पर प्रभावित ग्रामो के विकास का भरोसा दिलाया गया। उमरिया जिले में केन्द्र सरकार द्वारा कोल ब्लॉक आबंटित किए गए हैं और रोजगार, आर्थिक उन्नतीकरण, और जनजातीय समुदाय के उत्थान के दृष्टिकोण से ये कोल ब्लॉक महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, जिले में - जे एस डब्लू सीमेंट लिमिटेड के द्वारा प्रस्तावित मरवाटोला - 6 की भूमिगत कोयला खदान को लेकर उससे लगे छह प्रभावित ग्राम- मालाचुआ, शाहपुर, ब्लॉक पड़री, बधवाबारा, खोलखम्हारा एवं रौगढ़ के ग्रामीणों के मध्य, मंगलवार को ग्राम शाहपुर में लोक जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमे मुख्य रूप से जिला प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर शिव गोविंद मरकाम,एवं म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी मुकेश श्रीवास्तव सहित जे एस डब्लू सीमेंट कंपनी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मनोज रस्तगी, कोलमाइन हेड सी.पी. तिवारी एवं इनवायरमेंट हेड अरविन्द शर्मा की मौजूदगी रही।लोक सुनवाई के दौरान ग्राम रौगढ़ से आई दीपा सिंह एवं सुजीत सिंह ने जल, जंगल एवं जमीन के प्रभावित होने का मुद्दा उठाया एवं पेयजल एवं रोजगार की मांग रखी।वहीं पूर्व जनपद सदस्य मनोज मिश्रा ने स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार, कृषि सिंचाई, स्वास्थ्य सुविधा, उन्नत शिक्षा तथा ग्राम के विकास की बात कही, इसके अलावा खोलखम्हरा निवासी हरिओम मेहरा, ग्राम शाहपुर निवासी विकास गुप्ता, हर्ष द्विवेदी ने भी ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए जे. एस. डब्लू सीमेंट कंपनी से अपनी मांग रखी। जनपद पंचायत पाली के उपाध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह ने कंपनी स्थापित का विरोध जताने वालों से आग्रह किया कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील हैं और आर्थिक उन्नतीकरण के लिए प्रतिबद्ध है, और यही वजह है कि बड़े - बड़े उद्योगपति ग्रामो में उद्योग स्थापित की ओर रचनात्मक पहल कर रहे हैं, जिससे ग्राम का सर्वांगीण विकास हो सके।लोक सुनवाई में मालाचुआ निवासी दलबीर सिंह, रामसुशील मिश्रा शाहपुर, रविकांत द्विवेदी शाहपुर, अनुसुइया नामदेव बंधवाबारा, जयश्री बैगा ग्राम खोलखम्हरा , प्रभात अवस्थी, संदीप नारायण मिश्रा शाहपुर, सुरेंद्र मिश्रा शाहपुर, दीपक साहू खोलखम्हरा, धन्नू लाल प्रजापति मालाचुआ, कमल मिश्रा शाहपुर, शाहपुर ग्राम पंचायत के सरपंच बारेलाल बैगा ने परियोजना का समर्थन करते हुए विकास हेतु अपनी बात रखी।इस अवसर पर जे. एस. डब्ल्यू कंपनी के कार्यकारी निर्देशक मनोज रुस्तगी ने ग्रामीणों की मांगों को सहजता से सुना और नियमानुसार निदान कराने आस्वस्त कराया।उन्होंने कहाकि - कंपनी स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने की हमारी पहली प्राथमिकता होगी, जो लोग कंपनी के काम के अनुकुल नहीं होंगे, उन्हें प्रशिक्षित कर उन्हें कंपनी के प्रतिकूल बनाये जाकर रोजगार उपलब्ध कराने का हमारा भरसक प्रयास होगा, वहीं स्थानीय महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए महिला स्व. सहायता समूहों के माध्यम से प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने का काम भी किया जायेगा। महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई - कढ़ाई , हेंडी क्राफ्ट, स्थानीय उपार्जन एवं मूल्य संवर्धन कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के कार्य प्राथमिकता से शुरू कराया जायेगा।

पारिवारिक रिश्तों की संवेदनाओं का संग्रह 'निमिषा' का विमोचन

अर्शिता के दूसरे काब्य संग्रह पुस्तक का विमोचन

शहडोल। आधुनिक युग और तमाम सोशल मीडिया में अस्त-व्यस्त युवा पीढ़ी की मनोदशा के बीच जब 'निमिषा' जैसा काब्य संग्रह पारिवारिक रिश्तो की प्रगाड़ता संबंधों की संवेदनाओं की खुशबू को संजोकर शब्दों और कविता के रूप में समाज में आए तो निश्चित रूप से युवा पीढ़ी की सोच को साहित्य अध्यात्म की दिशा में सकारात्मक प्रेरणा प्रदान करता है, कुछ इन्हीं उद्गार विचारों के साथ पंडित एस.एन.शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर रामशंकर ने विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा.आशीष तिवारी की पुत्री अर्शिता तिवारी द्वारा संग्रहित और लिखित पुस्तक 'निमिषा' विमोचन किया। विमोचन के दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग आनंद राय सिन्हा ने कहा कि अर्शिता के इस काव्य संग्रह को पढ़कर मानो परिवार और खासतौर से अपने बुजुर्गों के स्नेह और प्यार को तरो ताजा करता है, साथ ही प्रोफेसर प्रमोद पांडे ने कहा कि बेटियों के अंदर वैसे तो वत्सल करुणा का संग्रह प्राकृतिक रूप से होता है किंतु जब इस तरीके की कविता बनकर किसी बेटी का भाव उभर सटीक शब्दों में समाज के सामने आए तो अन्य बेटियों के लिए अर्शिता प्रेरणा का स्रोत बनती है।

बेटियां ही हमारा अभिमान

पुस्तक विमोचन के दौरान श्रीमती ममता तिवारी ने कहा कि उनकी बेटी शुरू से साहित्य कविता संग्रह समेत अन्य गतिविधियों पर रुझान रखती रही हैं और हाल ही में जिस तरीके से अर्शिता बेटी ने 'निमिषा' कविता संग्रह पुस्तक में अपने बुजुर्गों दादा-दादी समेत पूरे परिवार के स्नेह प्यार को कविता में पिरोया है, वह बेहद ख़ास है और यही वजह है कि मेरी बेटियां ही मेरा अभिमान है।

यादें और स्नेह को संग्रहित करने कविता का रुख

अपनी कविता पूर्ण पुस्तक के विमोचन के दौरान अर्षिता तिवारी ने कहा कि अपने बुजुर्गों खासतौर से दादा-दादी के स्नेह प्यार यादों और रिश्तो के प्रगड़ता को कविता के माध्यम से शब्दों का सहारा लेकर संजोने की कोशिश की है, इस दौरान अर्षिता के शुरुआती शिक्षक श्रीलेखा जौहरी ने भी कहां की अर्शिता शुरू से ही कई प्रतिभाओं की धनी और संवेदनशीलता का उदाहरण रही है।

इनकी रही उपस्थित

स्थानीय होटल में आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में पंडित एस.एन.शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राम शंकर, श्रीमती संगीता शंकर, कुलसचिव प्रोफेसर आशीष तिवारी प्रोफेसर प्रमोद पांडे, डॉ ब्रेजेंद्र पांडे, प्रो.गीता श्राप, प्रो. महेंद्र भटनागर, अरुण उपाध्याय, सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग आनंद राय सिन्हा समेत सोमा मिश्रा, संजय तिवारी, श्रीमती गरिमा वर्मा, डॉ.प्रणय वर्मा, डॉ.असिता शर्मा, डॉ.दुश्यंत शर्मा, समाजसेवी भुवन जायसवाल समेत उच्च शिक्षा विभाग शिक्षा विभाग एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.आदर्श तिवारी एवं प्रशांत मिश्रा ने किया।

वीरांगना रानी अवंती बाई के बलिदान दिवस पर युवाओं ने किया नमन

उमरिया। वीरांगना रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा वीरांगना रानी अवंती बाई जी के चित्र पटल पर माला अर्पण व दीप प्रज्वलित कर बलिदान दिवस मनाया। पाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने कहा कि रानी अवंती बाई स्वाधीनता संग्राम में शहीद होने वाली पहली महिला वीरांगना थीं। रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान को नमन करते हुए बताया की रानी अवंती बाई का साहस और बलिदान न केवल हमारी विरासत है, बल्कि यह प्रेरणा का प्रतीक है।भारत का इतिहास वीरांगनाओं की शौर्य गाथाओं से भरा हुआ है। रानी अवंती बाई लोधी जैसी महान नारियों की कहानियाँ हमें आज भी राष्ट्रभक्ति, त्याग और साहस की प्रेरणा देती हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि आत्मसम्मान और मातृभूमि की रक्षा के लिए किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटना चाहिए।

अधीक्षिका अर्चना सिंह ने बताया की रानी अवंती बाई ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जंग में अपनी जान पर खेल गईं ऐसी देश भक्त नारी शक्ति को नमन है।वीरांगना अवंतीबाई का बलिदान सम्पूर्ण भारत के गौरव का दिन है। उनके इस बलिदान से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अपने राष्ट्र के लिए समर्पित होकर राष्ट्र के उत्थान में योगदान दे।

टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि मातृभूमि के गौरव व सम्मान के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाली वीरांगना की गौरवगाथा राष्ट्र सम्मान व सेवा हेतु सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा देती रहेगी।उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के स्वाभिमान के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करने वाली अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 167वीं पुण्यतिथि है। हर साल 20 मार्च को बलिदान दिवस के रूप में रानी अवंती बाई की पुण्यतिथि मनाई जाती है। इस दौरान मुख्य रूप से पाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र कुमार दुबे, छात्रावास अधीक्षिका अर्चना सिंह ,हिमांशु तिवारी,खुशी सेन, पुष्पा मेहरा ,राधा सिंह,संध्या बैगा ,सुजाता बेगा,ज्योति सिंह ,खुशबू सिंह,आरती सिंह,लक्ष्मी बैगा,प्रिया बैगा,मुस्कान बैगा , ज्ञानबाई बैगा ,अंजू कोल, वंदना, सिंह,नकुल, देव, आयुष पनिका एवं सभी उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम से नाबालिग को फसाकर किया दुराचार, मामला दर्ज

उमरिया। जिले के पाली थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की को सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती की भारी कीमत चुकानी पड़ी। इंस्टाग्राम पर मिले युवक ने पहले प्यार का नाटक किया, फिर शादी का झांसा देकर युवती को मिलने बुलाया और सुनसान जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। खबर है कि पीड़िता की दोस्ती इंस्टाग्राम पर एक अजनबी युवक से हुई थी।

दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रही, जिससे उनका रिश्ता गहरा होता चला गया। युवक ने लडक़ी को अपने प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने का वादा किया। वह उसे भरोसा दिलाता रहा कि वह उससे सच्चा प्यार करता है और जल्द ही शादी करेगा। कुछ समय बाद आरोपी युवक हैदराबाद से पाली में लडक़ी से मिलने आया। उसने उसे किसी सूनसान जगह पर मिलने के लिए बुलाया और वहां से जंगल में ले गया। पीड़िता को अंदाजा भी नहीं था कि जिसे वह अपना सच्चा प्रेमी समझ रही थी, वही उसकी जिंदगी बर्बाद करने वाला था। युवक ने शादी का झांसा देकर जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब लडक़ी ने विरोध किया तो, उसने डराया-धमकाया और किसी को बताने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी। घटना के बाद नाबालिक लडक़ी अपनी सहेली के साथ घर से चली गई, दोनों नाबालिक लड़कियों को अकेले देखे जाने पर रेलवे पुलिस नागपुर ने इन्हें बाल सुरक्षा गृह में रखा, जहां बयान में नाबालिक पूरी घटना बताई, जहां रेलवे पुलिस ने जीरो में कायमी कर पाली थाना में डॉयरी को भेज दिया। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। यह घटना समाज के लिए एक चेतावनी है कि सोशल मीडिया पर रिश्ते बनाते समय सतर्क रहें, किसी अजनबी पर जल्दी भरोसा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत परिवार और पुलिस को दें।

इनका कहना है...

रेलवे पुलिस ने जीरो में कायमी कर डायरी भेजा था, जिसे हम जांच कर अपराध कायम कर लिए हैं और आगे की कार्रवाई जारी है। आरोपी को पकडऩे के लिए लगातार दबिश दे रही है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

मदनलाल मरावी
थाना प्रभारी, पाली

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर 15 हजार रु. की आर्थिक सहायता मंजूर

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनूपपुर के प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के प्रावधान के तहत सड़क दुर्घटना में ग्राम पसला तहसील अनूपपुर के सुरेश यादव की मृत्यु होने पर मृतक के निकटतम वैध वारिस को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में प्रदेश रैंकिंग में जिले को मिला 13वां स्थान

अनूपपुर। सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में अनूपपुर जिले द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप अनूपपुर जिले ने प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में पूरे प्रदेश में 13 वां स्थान अर्जित किया है। लोक सेवा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 80.71 वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड प्राप्त कर अनूपपुर जिले की रैंकिंग 13 वीं रही है। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने इस तरह के प्रयास आगामी समय में भी जारी रखने की अपेक्षा की है।

जहर खुरानी से उपचार के दौरान वृद्ध की मौत

अनूपपुर। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में शुक्रवार की दोपहर अज्ञात कारण से जहरीला पदार्थ खाने पर 65 वर्षीय वृद्ध की उपचार दौरान मौत होने की सूचना पर अस्पताल पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार कोतमा थाना अंतर्गत लालपुर गांव के निवासी 65 वर्ष की देवशरन साहू पिता स्व. महादेव साहू ने गुरुवार की दिन रात अज्ञात कारणों से घर पर जहरीला पदार्थ खाने से गंभीर होने पर परिजनों द्वारा कोतमा अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराए जाने बाद बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया वृद्ध की उपचार दौरान शुक्रवार की दोपहर मौत हो जाने की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पंचनामा कर ड्यूटी डॉक्टर से पीएम कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंपते हुए जांच प्रारंभ की।

सड़क हादसे में महिला घायल

कोतमा। कोतमा हाईवे रोड पर सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नए मामले में बदरा में रविवार बाजार के दिन तेज रफ्तार से दो पहिया वाहन चालक के द्वारा 40 वर्षीय महिला रानी निवासी बदरा को ठोकर मारकर घायल कर दिया। दुर्घटना से महिला के सिर, हाथ एवं अन्य हिस्सों में चोट आई। सूचना समाजसेवी शिवांश सिंह को दिए जाने पर उनके द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच अपने वाहन में घायल महिला को सवार कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में उपचार कराया गया। महिला के हेड इंजरी होने पर डॉक्टर के द्वारा जिला अस्पताल अनूपपुर रेफर कर दिया गया।

कर्मचारियों का लेखा प्रशिक्षण सत्र 1 अप्रैल से

कटनी। जबलपुर संभाग के सरकारी कार्यालयों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण का नवीन सत्र आगामी 01 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हो रहा है। संभाग के सभी कार्यालय प्रमुखों के अधीन कार्यरत नियमित लिपिक वर्गीय कर्मचारी जो म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के 01 जुलाई 2013 एवं 26 फरवरी 2015 के परिपत्र के अनुसार अनिवार्य अर्हता पूरी करते हैं एवं नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण कर ली हो, के आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं।

संघर्ष समिति को मिला लिखित आश्वासन, कांग्रेस का अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन समाप्त

कार्य पूर्णता के लिखित आश्वासन के बाद 11 महीने के लिए टला क्रमिक अनशन

अनूपपुर। जिले का बहुप्रतीक्षित रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज नौ वर्षों से निर्माणाधीन है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। निर्माण की धीमी गति के कारण कछुआ चाल से आगे बढ़ रहा है, जिससे जिले के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे लेकर शुक्रवार को कांग्रेस जिला जिलाध्यक्ष रमेश सिंह के नेतृत्व में अनूपपुर थाना चौराहे के पास अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन प्रारंभ किया। इसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया और रेलवे का इंजीनियरिंग विभाग के साथ फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण करने वाली कंपनी श्रीराम कंस्ट्रक्शन ने लिखित देते हुए फरवरी 2026 तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद कांग्रेस का क्रमिक अनशन समाप्त हुआ।कांग्रेस जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ने बताया कि जिला मुख्यालय अनूपपुर फ्लाई ओवर ब्रिज न बनने से शहर दो भागों में विभाजित हो गया है, जिससे लोगो काफी कठनाईयों का समाना करना पड़ रहा हैं। दो दशक से बहुप्रतीक्षित रेल्वे फ्लाईओवर निर्माण का कार्य धीमी गति से होने से इधर व उधर के लोगो का संपर्क टूट सा गया है। इससे व्यापारियों के व्यवसाय पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। एक ओर जिला चिकित्सालय, जिला न्यायालय, तहसील कार्यालय तथा महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों के कारण नागरिकों सहित दूर दराज से आने जाने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा हैं। जिसे शीघ्र पूर्ण किए जाने की आवश्यकता है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बताया कि इस फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण के लिए अब तक पांच बार भूमि पूजन किया जा चुका है। विधायक, मंत्री, प्रभारी मंत्री से लेकर खुद तात्कालिक मुख्यमंत्री शामिल हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि ब्रिज आज भी अधूरा पड़ा है।

फरवरी 2026 तक पूर्ण होगा रेलवे फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण

सवालों के घेरे मे ब्रिज निर्माण

ज्ञात हो कि इस फ्लाई ओवर ब्रिज के न बनने से शहर दो भागों में विभाजित हो गया हैं, एक तरफ जिला अस्पताल, तहसील, जिला न्यायालय और महाविद्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थान हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बस स्टैंड, संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय और पुलिस लाइन जैसी प्रमुख सरकारी संस्थाएं हैं। इस वजह से आम जनता को जरूरी कामों के लिए 6 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है, जिससे समय और पैसे की बर्बादी हो रही है। करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने से सवाल उठने लगे हैं। आखिर किन कारण से यह महत्वपूर्ण परियोजना नौ सालों से अटकी हुई है? स्थानीय लोगों में इस देरी को लेकर भारी आक्रोश है। आम जनता ने प्रशासन और सरकार से जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने की मांग की है, ताकि आए दिन होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

मौके पर पहुंचे अधिकारी

शाम को जिला प्रशासन हरकत में आया और अपर कलेक्टर डीके पाण्डेय, नायब तहसीलदार अनुपम पाण्डेय कोतवाली नगर निरीक्षक अरविन्द जैन सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचकर रेलवे का इंजीनियरिंग विभाग का पत्र सौंपा जिसमे कहा गया हैं कि जून 25 माह के प्रथम सप्ताह में गाटर लगाने व माह सितंबर 25 में अपना कार्य पूर्ण कर स्थानिय ठेकेदार को सौंप देगे। वहीं फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण करने वाली स्थानिय कंपनी श्रीराम कंस्ट्रक्शन ने लिखित देते हुए कहा कि रेलवे की एजेंसी द्वारा सौंपे जाने के माह माह के अंदर कार्य पूर्ण करने में समय लगेगा जो फरवरी 2026 तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस दौरान रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष आशीष त्रिपाठी, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष रजन राठौर, करतार सिंह, शिवकुमार गुप्ता, अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, वासुदेव चटर्जी, गिरीश पटेल, चंद्रकांत पटेल, गुलाब पटेल, पार्षद रियाज खान, समाजसेवी विनोद सोनी, जनपद सदस्य सुनील इक्का, नरेंद्र सिंह फुनगा, देववती राठौर सहित कांग्रेसजन व नगर के व्यापारी आमजन शामिल रहे।

फ्लाईओवर के लिए बैठक 24 को

एस.ई.सी. रेलवे में प्रस्तावित फ्लाईओवर अनूपपुर लाइन हेतु परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा जिसमें भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी और अन्य स्थानीय मुद्दे आदि शामिल हैं के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में 24 मार्च को शाम 5 बजे से बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को बैठक में आवश्यक जानकारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

धनगवां के जंगल में 41 दिन बाद पहुंचा फिर एक हाथी

वनविभाग का सतर्कता निर्देश जारी

अनूपपुर। जिले के जैतहरी क्षेत्र में स्थित धनगवां के जंगल में गुरुवार की देर रात छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार कर एक हाथी फिर से पहुंचकर शुक्रवार के दिन विश्राम कर रहा है। एक अकेले हाथी के फिर से आने पर वनविभाग के द्वारा आम जनों को सतर्क एवं सचेत रहने हेतु निर्देश जारी करते हुए निगरानी कर रहे हैं। विदित है कि 41 दिन बाद फिर से एक दांत वाला एक नर हाथी 20 मार्च को पूरे दिन छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र अंतर्गत शिवनी बीट के जंगल क्रमांक 2039 जो घिनौची एवं डड़िया गांव के समीप है जहां पूरा दिन व्यतीत करने बाद देर शाम जंगल के पहाड़ से उतरकर मालाडाड़ गांव के समीप कालीनाला के बांध में नहाने बाद पटौराटोला में स्थित विशंभर सिंह के खेत में लगे गेहूं की फसल एवं जोगी के बांडी में लगे केला को अपना आहार बनाते हुए देर रात गूजरनाला पार कर मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत चोलना के चोलना गांव में प्रवेश कर विचरण करता हुआ बचहाटोला एवं कुकुरगोड़ा गांव के मध्य पूर्व पटवारी के खेत में लगे गेहूं की फसल को अपना आहार बनाते हुए पूरी रात चल कर शुक्रवार की सुबह वन परिक्षेत्र क्षेत्र जैतहरी के धनगवां बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है। एक बार फिर से एक हाथी के अनूपपुर जिले में प्रवेश कर विचरण करने पर वनविभाग के द्वारा ग्राम पंचायतो एवं ग्रामीणों को सतर्कता बरतने एवं सचेत रहने, दिन एवं रात के समय अकेले नहीं चलने, गांव से बाहर एवं जंगल के समीप अलग तरह से खेतों में घर बनाकर रह रहे ग्रामीणों से शाम होते ही सुरक्षित स्थान पर रहने, हाथी के साथ किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं इस दौरान शासन के निर्देशानुसार हाथी विचरण क्षेत्र से प्रभावित ग्रामों में हाथी की सुरक्षा को देखते हुए विद्युत लाइन बाधित रखी गई हाथी के विचरण पर वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, परिक्षेत्र सहायक एवं वनरक्षकों, सुरक्षा श्रमिकों ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों के साथ हाथी के विचरण पर रात भर गस्ती कर नजर बनाए रखें रहे कई दिनों से प्रायः यह देखा जा रहा है कि यह हाथी अपने एक अन्य साथी से मिलने के उद्देश्य में रात के समय तेज-तेज से आवाज कर पैरो को जमीन में पटक कर मिलने या बुलाने का संदेश देने का प्रयास कर रहा है पूर्व में भी हाथियों द्वारा इस तरह के संदेश करते हुए एक दूसरे को बुलाकर एक साथ होकर मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अंचलों में विचरण कर चुके हैं।

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दिया जा रहा प्रशिक्षण

अनूपपुर। शासकीय कार्यालयों में 31 मार्च से ई-ऑफिस प्रणाली लागू किया जाना है। जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार जिला स्तर पर स्थित कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 05 मार्च से प्रारंभ है, जो 28 अप्रैल 2025 तक विभागवार संचालित होगा। ई-गवर्नेंस के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री आनंद मोहन मिश्रा एवं प्रशिक्षक नितिन कुमार तिवारी द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय व उपयोग, दस्तावेज तैयार करना व अनुमोदन प्रक्रिया, रिपोर्टिंग व फाइल ट्रैकिंग, सुरक्षा उपाय व गोपनीयता इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में श्री आनंद मोहन मिश्रा ने बताया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग सिखाया जा रहा है, ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें। इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी। आज प्रशिक्षण के दौरान शा. आईटीआई अनूपपुर के प्राचार्य, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक एवं सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मौसम ने बदली करवट जिले में हुई बूंदाबांदी

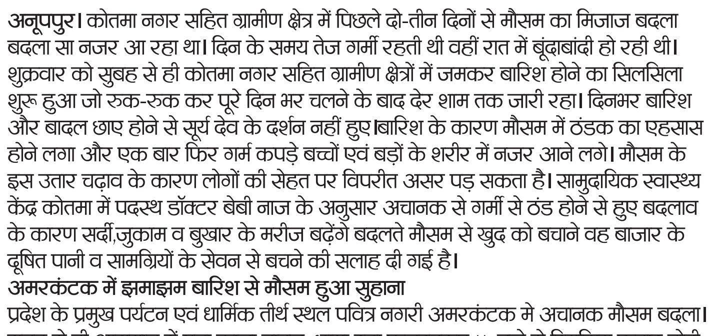

अनूपपुर। कोतमा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में पिछले दो-तीन दिनों से मौसम का मिजाज बदला बदला सा नजर आ रहा था। दिन के समय तेज गर्मी रहती थी वहीं रात में बूंदाबांदी हो रही थी। शुक्रवार को सुबह से ही कोतमा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जमकर बारिश होने का सिलसिला शुरू हुआ जो रुक-रुक कर पूरे दिन भर चलने के बाद देर शाम तक जारी रहा। दिनभर बारिश और बादल छाए होने से सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए।बारिश के कारण मौसम में ठंडक का एहसास होने लगा और एक बार फिर गर्म कपड़े बच्चों एवं बड़ों के शरीर में नजर आने लगे। मौसम के इस उतार चढ़ाव के कारण लोगों की सेहत पर विपरीत असर पड़ सकता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में पदस्थ डॉक्टर बेबी नाज के अनुसार अचानक से गर्मी से ठंड होने से हुए बदलाव के कारण सर्दी,जुकाम व बुखार के मरीज बढ़ेंगे बदलते मौसम से खुद को बचाने वह बाजार के दूषित पानी व सामग्रियों के सेवन से बचने की सलाह दी गई है।

अमरकंटक में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक मे अचानक मौसम बदला। सुबह से ही आसमान में घना काला बादल छाया रहा फलस्वरुप 11: बजे से रिमझिम फुहार होती रही लेकिन मौसम अचानक फिर बदला और 12 से 2 बजे तक बादल दो घंटे झूम कर झमाझम बारिश करते रहे इससे मौसम अप्रत्याशित ढंग से बहुत ठंडा हो गया। दो-तीन दिनों तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक चला गया था वह अचानक 24 डिग्री सेल्सियस आ गया 6 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज हुई वहीं न्यूनतम तापमान भी काफी नीचे आ गया दोपहर 2:बजे न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ पवित्र नगरी अमरकंटक में झमाझम हुई वर्षा से मौसम खासा सुहाना ठंडक भरा हो गया है इससे पर्यटक तीर्थ यात्री काफी खुश नजर आए। पवित्र नगरी अमरकंटक आए दूरस्थ अंचलों के पर्यटक तीर्थ यात्री अमरकंटक के बदले खुशनुमा मौसम का भरपूर आनंद लिया। बदले हुए मौसम से प्रफुल्लित एवं खुशी खुशी पर्यटन स्थलों का घूम घूम कर लुत्फ़ उठाते रहे। ऐसे खुशनुमा मौसम की उन्होंने परिकल्पना तक नहीं की थी।

अमरकंटक में महाविद्यालय खोलने होगा हर संभव प्रयास : रामलाल रौतेल

अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में महाविद्यालय खोले जाने हेतु वह हर संभव मदद को तैयार हैं वह इस विषय को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से मिलेंगे तथा इसके साथ ही महाविद्यालय की जायज मांग को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर पूर्ण करने का प्रयास करेंगे उन्होंने कहा कि अमरकंटक में महाविद्यालय खोलने चाहिए वह स्वतः भी यही चाहते हैं भोपाल पहुंच अति शीघ्र इस विषय में मुख्यमंत्री से मिलकर उनके सम्मुख यह विषय रखूंगा मेरी यह भी कोशिश होगी कि इसी शैक्षणिक सत्र में यहाँ महाविद्यालय खोला जाए। उक्त आशय के विचार अमरकंटक के वरिष्ठ पत्रकार के साथ एक भेंट वार्ता के दौरान कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल ने व्यक्त किये। कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त श्री रामलाल रौतेल के सामने यह विषय रखा गया कि पवित्र नगरी अमरकंटक में 20- 25 वर्षों पूर्व तत्कालीन आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र टी सी पी सी केंद्र चलता रहा है। उक्त केंद्र में मोवा घास की रस्सी तथा उसके उत्पाद तथा सुतली से टाट पट्टी एवं स्टील से कुर्सी टेबल बनाए जाते रहे हैं इसकी आपूर्ति विद्यालयों में की जाती रही है प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र में 25 - 30 लोगों को रोजगार मिलता था यदि उक्त पुनः शुरू किया जाता है तो लगभग 400-500 लोगों को रोजगार के अवसर मिल जाएंगे तथा बनाए गए उत्पाद विद्यालय में खपत होगा। टी सी पी सी का केंद्र पुनः एक बार फिर नए सिरे से शुरू हो इस हेतु वर्तमान के जनजातीय कार्य विभाग के माननीय मंत्री कुंवर विजय शाह से मिलकर उन्हें विस्तृत जानकारी से अवगत कराऊंगा उनसे मेरा आग्रह होगा कि पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र टी सी पी सी एक बार पुनः नए सिरे से शुरू हो सके ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के कौशल विकास उन्नयन योजना के तहत लोगों को सहज सरल रोजगार के अवसर जुटाए जा सके। पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आने वाले पत्रकार साथियों के आवास हेतु सुसज्जित पत्रकार भवन बनाया जाए इसकी मांग भी वर्षों से पत्रकार साथियों द्वारा की जा रही है पत्रकार भवन बनाया जाए इसका वह समर्थन करते हैं मांग निश्चित तौर पर वाजिब है पत्रकार भवन निर्माण हेतु वह हर संभव मदद अपने स्तर पर जो होगा करूंगा। श्री रौतेल ने बताया कि रामघाट के उत्तर एवं दक्षिण तट तथा पुष्कर बांध के के उत्तर तट घाट में सुरक्षा की दृष्टिकोण से अति शीघ्र ही चैन लगाकर नर्मदा नदी में भक्त श्रद्धालु आगे ना जा सके डूबने की घटना ना हो इस विषय में कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली के सामने यह बात रखी है उन्होंने कहा है कि एक सप्ताह में घाट में चैन लगा दिया जाएगा। नर्मदा पुष्कर बांध में राजस्थान के व्यापारी 27 वर्षीय ललित कुमावत के डूबने से असमय मौत हुई है यदि सुरक्षा का चैन लगा होता तो यह घटना ना होती। व्यापारी युवक के निधन पर श्री रौतेल ने शोक संवेदना व्यक्त की।

टीसीपीसी शुरू करने प्रयास करने का दिया आश्वासन

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम का बम्हनी में हुआ आयोजन

अनूपपुर। कलेक्टर शहर्षल पंचोली के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को विश्व उपभोक्ता दिवस कार्यक्रम का आयोजन जिले के विकासखंड अनूपपुर के ग्राम पंचायत बम्हनी में किया गया। जिसमें जिला उपभोक्ता फोरम अनूपपुर के सदस्य राजेन्द्र द्विवेदी, जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सीमा सिन्हा, अभिषेक उपाध्याय, श्रीमती अलका पटेल व सुश्री प्रियंका सोनी, पी.ओ.एस. इंजीनियर अनिरूद्ध केवट, नापतौल विभाग, गैस एजेंसी संचालक एवं उपभोक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों द्वारा अपने उद्बोधन में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के विषय में उपभोक्तओं को प्रदत्त अधिकारों से अवगत कराया गया। आम उपभोक्ताओं को अपने अधिकार का उपयोग किस तरह से कर सकते हैं, के संबंध में बताया गया। क्षतिपूर्ति के लिए शिकायत करने की विधि एवं जिला उपभोक्ता फोरम/राज्य उपभोक्ता फोरम/राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम के विषय में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि उपभोक्ता फोरम जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करता है। जिला उपभोक्ता फोरम में 01 करोड़ तक की खरीदी, राज्य स्तर पर स्थापित उपभोक्ता फोरम में 10 करोड़ तक की खरीदी की शिकायत तथा राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित उपभोक्ता फोरम में 10 करोड़ से अधिक की खरीदी की शिकायत दर्ज की जा सकती है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के संबंध में जानकारी देते हुए उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने हेतु अपील किया गया।